ब्रम्हाकुमारीज गुलमोहर कालोनी भोपाल द्वारा आयोजित राष्टीय मीडिया सम्मेलन संपन्न

मीडिया एवं अध्यात्म के समन्वय से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव

देशभर से आए नामचीन पत्रकार हुए शामिल

भोपाल 18 जून। –पहले हम गाते हैं नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की अथार्त जीवन में आनंद ही हमारी सबसे बड़ी पूॅजी है। श्रीकृष्ण के जीवन में आनंद ही आनंद था । उनका जीवन आदर्श जीवन था । कैसी ही परिस्थिति हो हमें अपनी जिदंगी से आनंद नहीं छोड़ना चाहिये । आज इस पर विचार मंथन करने की जरूरत है कि हमें आनंद का विभाग बनाने की जरूरत पड़ गई है जबकि पहले हमारे जीवन में स्वाभाविक रूप से सुख भाांति और आनंद था । आज हमने आर्थिक और भौतिक रूप से तरक्की तो कर ली लेकिन जीवन में आनंद पीछे छूट गया है । अपने राजमर्रा के जीवने में कुछ क्षण अपने लिये निकालें और परमपिता शिव परमात्मा जो आनंद के सागर है का ध्यान करें । आध्यात्म के समावेश से ही जीवन को सुख शांति और आनंदमय बनाया जा सकता है । राजयोग मेडिटेशन अंतर्जगत की वह अनवरत यात्रा है जिसमें हमारा स्वयं से स्वयं का परिचय होता है । आत्ममथंन से ही हम अपने गुण दोशों से आप पता लगा सकते है । उक्त उद्गार जीवन में आनंद हेतु मीडिया विषय पर संबोधित करते हुए भोपाल जोन की जोनल निदेशिका राजयोगिनी ब्रहमाकुमारी अवधेश बहनजी ने व्यक्त किये । प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गुलमोहर कालोनी सेवाकेन्द्र की ओर से उद्यमिता विकास केन्द्र सभागार में रविवार को राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया ।

अवधेश बहन जी ने राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताते हुंए कहा कि राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से मन में सकारात्मक विचार आने लगते हैं और नकारात्मक विचार धीरे धीरे दूर हो जाते हैं । सभी मीडिया कर्मी कुंछ समय अपने लिये जरूर निकाले और ध्यान करें। हमारे जीवन में आनंद हो गातो ही हम दूसरों के जीवन में आनंद ला सकते हैं। सभी इलेक्टानिक प्रिन्ट साईबर व वेबमीडिया अपने संचार माध्यम में जीवन में आनंद से संबंधित स्टोरी आलेख कालम कविता प्रकाशित करें ।

भोपाल सांसद भ्रता आलोक संजर जी ने कहा कि परिवार पुस्तक में अलग अलग खण्ड की तो आज हमारे परिवार खण्ड खण्ड में हैं उन्हें प्रेम के धागे से पिरोकर सुन्दर पुस्तक बनाना है । जीवन में आनंद है तो सबकुछ है।

वरिष्ठ पत्रकार व राजी खुशी के संपादक प्रोफसर कमल दीक्षित जी ने कहा कि सारे विकास का आधार आनंद है । आज सारी दुनिया आनंद की तलाश में हैं । आम व्यक्ति के अलावा मीडिया कर्मियों के जीवन में भी आनंद हो इसी उद्देश्य को लेकर राष्टीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन किया गया । आज मनुष्य की हालत कस्तूरीमृग के समान हो गई है । खुशी और आनंद हमारे अंदर ही है जिसे हम बाहरी वस्तुओं में खोज रहे हैं । मीडिया का एजेण्डा लोगों को बुराई से बचाना और भलाई की ओर ले जाना हो । ब्रहमाकुमारी संस्था लोगों के जीवन में नैतिक जागृति लाने के लिये प्रयत्नशील है ।

पदमश्री वरिष्ठ पत्रकार विजयदत्त श्रीधर जी ने कहा कि आज इस मंच से यह जानकर खुशी हुई की नई पीढ़ी के पत्रकारों में भी सकारात्मक समाचारों को लेकर अच्छी सोच है । सारे जहॉ का दर्द हमारे जिगर में हैं पर हमारे जिगर का दर्द हमें पता ही नहीं है ।

माउंट आबू से पधारे ब्रहमाकुमारी संस्था के पीआरओं व पीस न्यूज के न्यूज एडिटर ब्रहमाकुमार कोमल भाई ने कहा कि आज संस्था विश्व के 137 देशों में अपने 8500 से अधिक सेवाकेन्द्रों के माध्यम से आध्यात्मिकता एवं नैतिक जागृति की अलख जगा रही है । संस्था की स्थापना सन् 1937 में दादा लेखराज ने की थी । आज से 80 साल पहले लगाया गया एक पौधा आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है । परमात्मा का अवतरण इस धरा पर हो चुका है और वह नई दुनिया की स्थापना का दिव्य कार्य कर रहे हैं। वर्तमान समय कलयुग के अंत और सतयुग के आरंभ का संधिकाल चल रहा है इसे हम संगमयुग कहते हैं । आज सबसे बड़ी जरूरत इन्सान, इन्सान बना रहे तो ये दुनिया बदल जाएगी ।

दैनिक भास्कर भोपाल के प्रदेश प्रमुख विजय मनोहर तिवारी जी ने कहा कि हमने सप्ताह में एक दिन खबरों के माध्यम से लोगों को सकारात्मक समाचार देने की पहल की है जिसे पाठकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है । उन्होनें महाराष्ट् के हिवे बाजार गॉव का उदाहरण देतें हुए कहा कि यहॉ के सरंपच ने एक नकारात्मक समाचार से सकारात्मक संदश लेते हुए एक पहल शुरू की जो आज अभियान बन चुकी है ।

नई दिल्ली से पधारीं न्यूज नेशन की एडिटर बहन पिनाज त्यागी जी ने कहा कि हम खबरे बनाते बनाते आनंद भूल जाते हैं। लूट हत्या आदि खबरे सुनते सुनते पत्थर दिल हो जाते हैं । आज लोगों को नेगेटिव खबरें देखने के आदत हो गई है । पोजीटिव न्यूज के दर्शक बहुत कम हो गये हैं ।

स्वदेश ग्रुप के राजेन्द्र शर्मा जी ने कहा कि आज मीडिया को आत्म अवलोकन और आत्ममंथन करने की जरूरत है । दूसरों के पहले हमें खुद के जीवन में आनंद लाना होगा । कार्यक्रम का संचालन बी के रावेन्द्रभाई जी ने किया तथा आभार गुलमोहर कालोनी सेवाकेन्द्र प्रभारी बी.के. डॉ. रीना बहन ने व्यक्त किया ।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा जी, वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय जी, वरिष्ठ पत्रकार विनोद तिवारी जी, ईटीवी के वरिष्ठ पत्रकार एस.के. त्रिपाठी जी, सागर से आए इंक मीडिया के डायरेक्टर डॉ आशीष द्विवेदी, डॉ अनिल सौमित्र जी, नई दुनिया के सपांदक सुनील शुक्ला जी, वरिष्ठ पत्रकार लोकमत के संपादक शिवअनुराग पटेरियाजी, लाईवइंडिया के भरतशास्त्रीजी, मीडिया फाउण्डशन नईदिल्ली के नेशनल प्रेसीडेन्ट राजेन्द्र जैन जी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मण्डीदीप, पूर्णिमा जैन जी नें अपनें विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में मीडिया जगत से जुड़ी अनेक हस्तियां उपस्थित थी।

(बी. के. रावेन्द्र)

ब्रह्माकुमारीज, भोपाल
मो.–7773011968